December 2014

TODAY

(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)

वर्षः २, अंकः १८

www.eurasiareiyukai.com

यूराशिया रेयूकाई विश्वशांति निर्माण हेतु समाज में योगदान करने वाले ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति निर्माण करने वाली सामाजिक संस्था है।

महागुरू काकुतारो कुबोजी का ७१वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह एवं यूराशिया रेयूकाई का भव्य मिलन

मार्गनिर्देशन प्रदान करते संस्थापक अध्यक्ष जी

महागुरू काकुतारो कुबो जी का ७१वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह एवं यूराशिया रेयूकाई भव्य मिलन समारोह सम्पूर्ण मिहाताओं का स्वागत कर १,०१२ लोगों की उपस्थिति में भव्यतापूर्वक यूराशिया रेयूकाई १५वीं शाखा के मुख्य हॉल कौशलटार भक्तपुर में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सभी यूराशिया रेयूकाई मिहाता शाखाओं, सभी समाज विकास केन्द्रों तथा विभिन्न देशों के कार्यालयों में भी संपन्न हुआ। मुख्य समारोह में यूराशिया रेयूकाई के संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा द्वारा प्रदान किये गये मार्गनिर्देशन के सारांशः-

- यूराशिया रेयूकाई ने आज मिलियन अभियान के दूसरे चरण में प्रवेश किया है।
- स्वयं एवं आध्यात्मिक संसार के बीच की दूरी को कम करने की महान जिम्मेवारी और कर्तव्य पूरा करने का मौका प्राप्त करने के लिए खांग्यो अभ्यास करने का मौका प्राप्त करें।
- त्रिकाल के कर्म के सम्बन्धों को बचाकर पूर्वजों की आत्मा को बचाने वाले व्यक्ति का निर्माण करना एवं कृतज्ञता की भावना लेकर अपने पूर्वजों को स्वयं बचाने वाले कार्यों का कार्यान्वयन कर, कार्यान्वयन कराने का कार्य ही मिचिबिकी है। यही मिलियन अभियान है।
- जीवन के भविष्य में अपने कार्यों द्वारा भाग्य परिवर्तन करते जाना पड़ता है।
- आत्मा के भीतर रहने वाले कर्म के सम्बन्ध को सदस्यों को महसूस कराकर स्वयं में भी परिवर्तन होते जाने का मौका प्राप्त करते हैं, इस तरह मिचिबिकी के पुण्यफल रेयूकाई के लिए न होकर स्वयं के लिए हैं, ऐसा समझकर कृतज्ञ होना पड़ेगा।
- रेयूकाई शिक्षा का आधार कृतज्ञता है। अपने अभिभावक, मित्र, परिवार एवं अन्य व्यक्तियों के प्रति भी कृतज्ञ होना पड़ेगा।
- अपने आप में परिवर्तन लाकर, आज का स्वयं बनकर, युवा आत्मा का परिवर्तन कर, स्वयं महसूस कर औरों को महसूस कराना ही विकास है। क्या करने से अच्छा समाज बनेगा, ऐसा सोचते हुए कार्यान्वयन कर एवं कार्यान्वयन कराकर वास्तविक परिणाम दिखाना पड़ेगा।

मुस्कानयुक्त चेहरे से अभिवादन, मुस्कानयुक्त चेहरे से कृतज्ञता एवं मुस्कानयुक्त चेहरे से प्रशंसा

यूराशिया रेयूकाई १६वीं शाखा का मिहाता हस्तांतरण

यूराशिया रेयूकाई के भव्य मिलन समारोह में यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी के करकमलों द्वारा यूराशिया रेयूकाई १६वीं शाखा की मिहाता एवं मान्यता-पत्र मिहाता जिम्मेवार शिबुचो श्री जीवन कुमार जोशी जी को हस्तांतरित किया गया। उसी समारोह में शिबुचो श्री लक्ष्मण जोशी एवं शिबुचो सुश्री धनेश्वरी प्रजापति को उप-जिम्मेवार शिबुचो का मान्यता-पत्र प्रदान किया गया। १६वीं शाखा का मुख्य हॉल काठमांडू स्थित धोबीधारा में है। फिलहाल १६वीं शाखा के नेपाल एवं भारत देश मिलाकर कुल १,४१,६३३ सदस्य हैं।

व्यक्तिगत अनुभव

नाम : श्रीमती सुनिता तामांग
क्षेत्र : झापा गौरादह
उपाधि : जुन होजाशु
शिबु : श्री जीवन कुमार जोशी
मिचिबिकी ओया : श्री जीतेन्द्र मानन्धर
मिहाता शाखा : १६वीं शाखा

सभी को मेरा नमस्कार। मेरा नाम सुनिता तामांग है। मेरा क्षेत्र झापा गौरादह है। मेरे मिचिबिकी ओया श्री जीतेन्द्र मानन्धर हैं। फिलहाल मैं यूराशिया रेयूकाई १६वीं शाखा में जुन-होजाशु के रूप में अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। अप्रैल २०१३ में मिचिबिकी ओया के मुस्कानयुक्त चेहरे से नमस्कार कहने पर मैं उस शब्द से प्रभावित होकर इस शिक्षा में प्रवेश करने का मौका प्राप्त की थी। इस शिक्षा से आबद्ध होने के बाद ९ एवं १८ तारीख के मिलनों के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागी होने का मौका प्राप्त की। इस प्रकार सहभागी होने पर रेयूकाई शिक्षा के बारे में अनेकों बातें सीखने, जानने का मौका पायी। यह एक विशुद्ध सामाजिक संस्था है। किसी भी जाति, समुदाय, धर्म-सम्प्रदाय की कोई भी इस शिक्षा को ग्रहण कर सकता है। इसका लक्ष्य विश्वशांति एवं उद्देश्य विश्वशांति के लिए प्रयास करने वाले ज्यादा से ज्यादा साधारण बोधिसत्वों की परवरिश करते जाना है। रेयूकाई की व्यवहारिक शिक्षा नमस्कार, धन्यवाद, क्षमा करें एवं रेयूकाई शिक्षा का आधार कहने पर कृतज्ञता है। इन बातों की जानकारी मिलने के बाद मैं इन बातों को अपने व्यवहारिक जीवन में लागू करने लगी। इस प्रकार मैं अपने में एक परिवर्तन महसूस करने लगी। मिलनों में जाकर संस्थापक अध्यक्ष जी का मार्गनिर्देशन ग्रहण करने का मौका प्राप्त की तथा पूर्वजस्मरण का महत्व जानने का मौका पायी। पूर्वज स्मरण के बारे में जानकारी मिलने के बाद मिचिबिकी ओया को अनुरोध कर घर में सोकाइम्यो विराजमान कर गुजरे हुए पूर्वजों का नाम संकलन करने का मौका प्राप्त करने पर सचमुच यह एक बड़ी सम्पत्ति प्राप्त करने जैसा महसूस हुआ। इसी प्रकार गोहोजा में सोकाइम्यो को सुबह-शाम पानी फूल एवं सूत्रपाठ अर्पण करने पर मेरे दैनिक जीवन में एवं साथ ही अपने व्यापार-व्यवसाय में अचानक परिवर्तन आया है। मैं एक महिला होकर भी पूर्वजों का इस तरह स्वागत करने का मौका प्राप्त कर काफी खुश हूँ। रेयूकाई शिक्षा के अभ्यास के क्रम में मैं विभिन्न क्षेत्रों में मिचिबिकी मिलन, ओया मिलन एवं जुन-होजाशु मिलन आयोजित कर ज्यादा से ज्यादा मिचिबिकी कर पूर्वजों की आत्मा को बचाने का मौका प्राप्त करती आ रही हूँ।

इस प्रकार विभिन्न मिलनों में ग्रहण करने का मौका प्राप्त किये संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशनों को भी प्रवाह करने का मौका प्राप्त करने पर पूर्वज स्मरण के महत्व के बारे में बताने पर सदस्य प्रभावित होकर सोकाइम्यो हेतु आवेदन किये। मैंने मिचिबिकी ओया के माध्यम से उनलोगों के घर में सोकाइम्यो की स्थापना कर उनके गुजरे हुए पीढ़ी दर पीढ़ी के पूर्वजों का स्वागत कर सात दिनों तक साथ-साथ सूत्रपाठ चढ़ाने की भावना सिखाने का मौका प्राप्त करने पर पैसों से भी खरीद नहीं सकने वाली खुशी प्राप्त करने जैसा महसूस कर रही हूँ। इसी प्रकार मैं एक युवा महिला होने के कारण केवल घर में ही मात्र सिमटी न रहकर एक पुरूष की तरह बाहर का काम भी कर सकती हूँ, ऐसा अभिप्राय लेकर विभिन्न प्रकार के आयमूलक एवं दक्षतामूलक प्रशिक्षण स्वयं सीखकर औरों को भी प्रशिक्षण देती आ रही हूँ। इसके फलस्वरूप युवा शक्ति को विदेश जाने से रोककर उन्हें देश के विकास में लगाने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। हम युवावर्ग कहने पर देश एवं राष्ट्र को कंधे पर लेकर चलने वाली जनशक्ति हैं। इस शक्ति को यूं ही बेकार नहीं जाने देने की बात को महसूस कर राष्ट्र की एक आदर्श बेटी बनने के कार्य में लग पड़ी हूँ। अंत में मिलियन अभियान एवं तीन वर्ष (१००० दिन) के अभ्यास को कार्यान्वयन कर कार्यान्वयन कराकर आध्यात्मिक संसार में शत-प्रतिशत विश्वास कर गोहोम्यो आत्माग्रहण समारोह में सहभागी होकर १०० दिनों का अभ्यास १०० दिनों में ही पूरा कर अपने अंतर्गत कम से कम ५० सदस्यों के घर में सोकाइम्यो लिखकर विराजमान करा कर स्वयं एक उदाहरणीय होजाशु बनने वाला अभ्यास करने की प्रतिज्ञा करती हूँ। धन्यवाद ! नमस्कार !!

बागमती नदी का संस्कार अभियान

यूराशिया रेयूकाई द्वारा नागरिक साफ-सफाई अभियान निरंतर संचालित होता आ रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न टोले-महल्लों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले प्रत्येक शनिवार को नेपाल सरकार द्वारा आयोजित किये गये बागमती साफ-सफाई (संस्कार) अभियान में काम करने का मौका यूराशिया रेयूकाई के सदस्य प्राप्त कर रहे हैं।

सार्क सम्मेलन की तैयारी में साफ-सफाई अभियान

नेपाल देश की राजधानी काठमांडू में १८वें सार्क सम्मेलन के आयोजन की तैयारी अंतर्गत आयोजित साफ-सफाई अभियान में ललितपुर उप-महानगरपालिका वार्ड नं. २ में यूराशिया रेयूकाई के सदस्यों द्वारा उत्साहजनक सहभागिता निभायी गयी।

क्रियाकलापों की झलकियां

जनचेतना रैली, ११वीं शाखा

बुनाई प्रशिक्षण, १३वीं शाखा

कढ़ाई प्रशिक्षण, १७वीं शाखा

नेत्र शिविर, २८वीं शाखा